संक्रमण - विषाणु

चिकन पॉक्स

प्रमुख बिन्दु

- **चिकन पॉक्स एक विषाणु जनित संक्रमण है जिसमें बुखार आता है और त्वचा पर धब्बे विकसित हो जाते हैं**
- **त्वचा पर लाल धब्बे मुख्यतः शरीर के मध्य भाग में, सिर, और गर्दन पर दिखायी देते हैं**
- **शिशु करीब 7 दिनों तक संक्रामक रहता है – लाल धब्बों के दिखायी देने के 2 दिन पहले से व 5 दिन बाद तक**
- **सभी फुंसियों के सूख जाने तक शिशुओं को स्कूल, किंडरगार्टन व बाल-पालन सेवा से दूर रखना चाहिये**
- **सूखी पपड़ियां संक्रामक नहीं होती हैं**
- **लक्षणों के उपचार हेतु व धब्बों के स्थान पर कीटाणुओं के द्वितीयक संक्रमण से सुरक्षा के लिए उपचार किया जाता है**

यह क्या है?

चिकन पॉक्स आम संक्रमण है जो एक विषाणु (वैरिसैल्ला-ज़ौस्टर) द्वारा उत्पन्न होता है।शिशु एक-दो दिनों के लिए बुखार से त्रस्त रहता है। फिर त्वचा पर लाली आ जाती है और छोटे-छोटे गोल दाने उभर आते हैं (गहरे रंग की त्वचा पर बैंगनी या भूरे रंग के दाने दिखायी देते हैं)। अगले 2-4 दिनों में यह दाने फुंसियॉं बन जाते हैं। मवाद के कारण यह फुंसियॉं सफेद दिखायी पड़ती हैं जो कई दिनों बाद काली पपड़ी के रूप में सूख जाती हैं।

यह धब्बे मुख्यतः शरीर के मध्य भाग, सिर, और गर्दन पर विकसित होते हैं और हाथ-पैरों पर कम दिखायी देते हैं। धब्बों की संख्या निश्चित नहीं है।

2 से 10 सालों के बच्चे इससे सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। संक्रमित व्यक्ति से संपर्क के करीब दो सप्ताह बाद ज्वर व त्वचा पर लाली उभरने लगती है। चिकन पॉक्स लाली के दिखायी देने के 2 दिन पहले से व 5 दिन बाद तक संक्रामक रहता है। सूखी

पपड़ियां संक्रामक नहीं होती हैं। एक बार चिकन पॉक्स हो जाने पर काफी लंबे समय तक प्रतिरोधकता बनी रहती है और पुनर्संक्रमण की संभावना बहुत कम होती है।

इससे बचाव कैसे किया जा सकता है?

अन्य लोगों में रोग के फैलने से बचाव हेतु बच्चों को स्कूल, किंडरगार्टन व बाल-पालन सेवा से तब तक दूर रखना चाहिये जब तक सभी फुंसियां सूख न जायें। हालांकि चिकन पॉक्स के टीके नियमित टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल नहीं किये गये हैं, यह टीके आवश्यकता पड़ने पर अवश्य उपलब्ध हैं। 12 माह से अधिक आयु वाले शिशुओं को यह टीके एक खुराक में दिये जाते हैं।

इसका उपचार कैसे किया जाता है?

चिकन पॉक्स से ग्रस्त अधिकांश बच्चों को कोई विशेष विषाणु-नाशक चिकित्सा की आवश्यकता नहीं रहती है। उपचार का प्रयोग बुखार के लिए और त्वचा के धब्बों पर द्वितीयक कीटाणु संक्रमण से बचाव के लिये किया जाता है। यदि कीटाणुओं का संक्रमण हो जाये, तो धब्बे आजीवन बने रह सकते हैं। कीटाणु नाशक व खुजली घटाने वाले नहाने के तेलों का उपयोग लाभदायक रहता है। त्वचा के धब्बों पर द्वितीयक कीटाणु संक्रमण से बचाव के लिये एंटिसेप्टिक का प्रयोग किया जा सकता है।

और अधिक जानकारी के लिए संपर्क करेंः

जच्चा-बच्चा के लिए प्रशिक्षित नर्स
आपका फार्मेसिस्ट
आपका पारिवारिक चिकित्सक
त्वचा रोग विशेषज्ञ

© 2002, Department of Dermatology, St. Vincent's Hospital Melbourne, Victoria Parade, Fitzroy, Victoria 3065 Australia.